भगत कबीर – सबद ९

संधिआ प्रात इस्नान कराही ॥

राग गउड़ी, भगत कबीर, गुरु ग्रंथ साहिब, ३२४

संधिआ प्रात इस्नान कराही ॥
जिउ भए दादुर पानी माही ॥१॥
जउ पै राम राम रत नाही ॥
ते सभ धरम राइ कै जाही ॥१॥ रहाउ ॥
काइआ रत बहु रूप रचाही ॥
तिन कउ दइआ सुपनै भी नाही ॥२॥
चार चरन कहहि बहु आगर ॥
साधू सुख पावहि कल सागर ॥३॥
कहु कबीर बहु काइ करीजै ॥
सरबस छोडि महा रस पीजै ॥४॥५॥

सार: चेतना और विश्वव्यापी सिद्धांत आपस में जुड़े हुए हैं। चेतना वह जागरूकता और इरादा है जो हमारी दुनिया को देखने के तरीके को आकार देता है जबकि विश्वव्यापी सिद्धांत वो शाश्वत सत्य है जो पूरे अस्तित्व को नियंत्रित करता है। इन सिद्धांतों को समझना और स्वीकार करना महत्वपूर्ण है ताकि यह देखा जा सके कि ब्रह्मांड हमारे जीवन को किस तरह दिशा देता है।

संधिआ प्रात इस्नान कराही ॥
हर सुबह और शाम विधिपूर्वक स्नान करना।

जिउ भए दादुर पानी माही ॥१॥
यह पानी में रहने वाले मेंढक की तरह है। यह हमारी आदत को दर्शाता है कि हम परिचित सीमाओं से बाहर के विचारों को परखने से हिचकिचाते हैं। (१)

जउ पै राम राम रत नाही ॥
अगर हम उस एकता को नहीं सराहते जो हर चीज़ में व्याप्त है

ते सभ धरम राइ कै जाही ॥१॥ रहाउ ॥
तब हमें चेतना और उन विश्वव्यापी सिद्धांतों का अन्वेषण करना चाहिए जो हमारे जीवन को दिशा देते हैं। (१)(विराम)

काइआ रत बहु रूप रचाही ॥
जो लोग केवल शारीरिक, भौतिक रूप से लगाव रखते हैं वह भ्रम के रूपों में उलझे रहते हैं।

तिन कउ दइआ सुपनै भी नाही ॥२॥
उनके भीतर करुणा तो सपने में भी नहीं होती। (२)

चार चरन कहहि बहु आगर ॥
धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने वाले लोग खुद को ज्ञानी कहते हैं।

साधू सुख पावहि कल सागर ॥३॥
लेकिन जो वास्तव में जागरूक हैं वह शांति और आनंद का अनुभव कष्टमय संसार में भी कर लेते हैं। (३)

कहु कबीर बहु काइ करीजै ॥
कबीर पूछते हैं इतनी सारी रस्मों, कर्मकांडों को क्यों निभाते हो।

सरबस छोडि महा रस पीजै ॥४॥५॥
सभी लगावों को छोड़कर उस परम तत्त्व को अपनाए जो सच्ची एकता में है। (४)(५)

तत्त्व: भगत कबीर कहते हैं कि वह लोग जागरूक हैं, जो जीवन को न तो सिर्फ दुख मानते हैं और न ही केवल सुख। हमारे लगाव और दृष्टिकोण ही हमारे जीवन के अनुभव को आकार देते हैं। सचेतना और त्याग के अभ्यास से हम दुनिया को आनंदमय देख सकते हैं, यहां तक कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अर्थ, विकास और शांति पा सकते हैं।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com